

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के टीचर ट्रेनिंग और नॉन-फॉर्मल एजुकेशन विभाग ने किया एक सप्ताह का NSS और CCA कैंप शुरू

नई दिल्ली, 18 दिसंबर, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के टीचर ट्रेनिंग और नॉन-फॉर्मल एजुकेशन (IASE) विभाग ने आधिकारिक तौर पर अपना NSS और CCA कैंप शुरू किया। यह कैंप विभाग की को-करिकुलर एक्टिविटीज़ का एक ज़रूरी हिस्सा है जो 23 दिसंबर 2025 तक चलेगा। कैंप के पहले दिन सभी छात्र मौजूद थे, जिसके बाद जेएमआई के DTT & NFE के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आरिफ मोहम्मद ने एक ज़बरदस्त योग सेशन करवाया, जिससे कार्यक्रम के लिए एक ऊर्जावान और सकारात्मक माहौल बना।

उद्घाटन कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र कुरान की तिलावत से हुई, जो इस कार्यक्रम की एक शुभ शुरुआत थी। इस मौके की भावना को बढ़ाते हुए, जेएमआई के DTT & NFE के इंस्ट्रक्टर श्री ज़ीशान ज़मीर अहमद के नेतृत्व में तराना टीम ने मधुर आवाज़ में जामिया तराना और NSS गीत गाया, जिससे प्रतिभागियों में उत्साह और गर्व भर गया।

इसके बाद, विभाग की प्रमुख प्रो. फराह फारूकी ने सभा को संबोधित किया और प्रो. वी. के. त्रिपाठी, प्रोफेसर एमेरिटस, भौतिक विज्ञानी और सामाजिक कार्यकर्ता; प्रो. एजाज़ मसीह, पूर्व डीन, शिक्षा संकाय; और डॉ. आबिद हुसैन, वरिष्ठ अधिकारी, NSS का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रो. फारूकी ने NSS कोऑर्डिनेटर, प्रो. रूही फातिमा और डॉ. रईसा खान; CCA कोऑर्डिनेटर, प्रो. तबस्सुम नकी और डॉ. आरिफ मोहम्मद; के साथ-साथ सभी हाउस एडवाइज़र के समर्पित प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद भी दिया। अपने संबोधन में, उन्होंने आने वाले दिनों के लिए नियोजित गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, टीम वर्क और समग्र विकास के महत्व पर प्रकाश डाला।

सेशन डॉ. आबिद हुसैन के संबोधन के साथ जारी रहा, जिन्होंने NSS गतिविधियों के महत्व पर ज़ोर दिया जो पेशेवर और व्यक्तिगत विकास दोनों को बढ़ावा देती हैं और ज़िम्मेदार और दयालु व्यक्तियों को बनाने में उनकी भूमिका पर बात की। उन्होंने एक व्यक्ति के समग्र विकास के लिए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की प्रासंगिकता पर भी प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. वी. के. त्रिपाठी ने सामाजिक मुद्दों पर अपना संबोधन एक स्वरचित गज़ल सुनाकर शुरू किया, जिसने छात्रों को प्रेरित किया। उन्होंने अपनी हाल ही में प्रकाशित किताब "अहिंसा के माध्यम से मुक्ति" के साथ-साथ जीवन के अनुभवों से उदाहरण साझा किए और छात्रों को पूर्वाग्रहों पर काबू पाते हुए दृढ़ता, करुणा और मानवता की मज़बूत भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद प्रो. एजाज़ मसीह ने अपना संबोधन दिया, जिन्होंने मानवीय मूल्यों पर प्रो. त्रिपाठी के विचारों पर बात की और सहानुभूतिपूर्ण और नैतिक व्यक्तियों को आकार देने में एक सच्चे शिक्षक की भूमिका पर प्रकाश डाला।

औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रायसा खान, असिस्टेंट प्रोफेसर, टीचर ट्रेनिंग और नॉन-फॉर्मल एजुकेशन विभाग, जेएमआई ने दिया। उन्होंने सफल उद्घाटन कार्यक्रम और आने वाले दिनों के लिए नियोजित भविष्य की गतिविधियों में उनके अमूल्य योगदान के लिए डीन, शिक्षा संकाय; प्रमुख, IASE; NSS कोऑर्डिनेटर; संकाय सदस्यों; विश्वविद्यालय प्रशासन; हाउस सलाहकारों; छात्रों; और कार्यालय कर्मचारियों

के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उद्घाटन सत्र राष्ट्रगान के साथ समाप्त हुआ, जिसके बाद संबंधित हाउस अपने आवंटित क्षेत्रों में चले गए।

दोपहर के भोजन के बाद, प्रत्येक हाउस ने अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में कैम्पस विकास पहलों में भाग लिया। इन गतिविधियों में झाड़ू लगाना, पेड़-पौधों की छंटाई करना, दीवारों से पुराना पेंट हटाना, मैदानों की सफाई करना और विभागीय माहौल को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए विभिन्न अन्य स्वच्छता अभियान शामिल थे।

NSS कैम्प के अगले सात दिनों के दौरान, छात्र दीवारों और बेंचों पर सफेदी-पेंट करने, विभिन्न विभागीय क्षेत्रों की सफाई करने और कैम्प के हिस्से के रूप में नियोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने जैसी गतिविधियाँ जारी रखेंगे। छात्रों के बीच रचनात्मकता, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और टीम वर्क को प्रोत्साहित करने के लिए बैत बाज़ी, फैसी ड्रेस, सूफ़ियाना कव्वाली और स्ट्रीट प्ले जैसी विभिन्न अंतर-हाउस प्रतियोगिताओं की भी योजना बनाई गई है। आठ हाउसों के छात्र, अर्थात्: अजमल, अंसारी, आज़ाद, गांधी, मुजीब, नेहरू, सैय्यदैन और ज़ाकिर हाउस, इस सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे, प्रत्येक भारत के एक अलग क्षेत्र और भाषा का प्रतिनिधित्व करेगा, जो भारत की भाषाई विविधता की थीम पर प्रकाश डालेगा।

कार्यक्रम के अंतिम दिन मज़ेदार गतिविधियों, प्रदर्शनों और फूड स्टॉलों का आयोजन होगा, जो एक जीवंत सांस्कृतिक उत्सव के साथ समाप्त होगा। यह कार्यक्रम टीचर ट्रेनिंग और नॉन-फॉर्मल एजुकेशन (TT & NFE) विभाग की एक महत्वपूर्ण गतिविधि है, जिसमें B.Ed. के पहले सेमेस्टर के छात्र शामिल हैं। (जनरल), बी.एड. (नर्सरी), और डी. एल. एड. प्रोग्राम।

प्रोफेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी